रात्रि क्लास 19-3-68 ओमशान्ति "शिव बाबा याद है?"

राजाओं के कान्फ्रेन्स देहली में भी होती है होंगी। कबबरोदा, कब भावनगर करते होंगे। बाबा ने समझाया था राजाओं को तुम ऐसे समझाये सकते हो। वह भी आयेंगे। उनको खेलने लिए समझाया जाता है। तुम बच्चे नये2 बिचार निकाल चित्रों को भी ठीक कर सकते हो। जगदीश कर सकते हैं। सीढ़ी में भी अच्छी समझानी है। कोई को तो वन्डर लगेंगे बहुत अच्छे हैं बहुत अच्छे हैं हम आवेंगे। फिर खुलास। कोई तो आवेंगे आकर समझेंगे। आगे सीन्धी लोग कितने बिस्थ थे। समझते थे काल आया है। सन्नाटा हो गया। इतने सभी चले गये। कोई को समझ में न आया। बच्चे समझते हैं कल्प पहले भी ऐसे हुआ था। समझना चाहिए ना। वह थोड़े ही समझते हैं इन में सर्व-शक्ति-वान बाप ही कमाल है। वह समझते थे जादू है। यह जादूगर भी है तो रत्नागर भी है। धोबी भी है। सभी एक्टीविटी चलते हैं। बच्चों के लिए तो बहुत सहज है। कल्प2 यही हू बहू एक्टविटी चली थी नई बात नहीं। कल्प पहले भी ऐसे ही हुआथा। अफ्सोस की बात नहीं। अफ्सोस किया तो जैसे वह मुर्ख वैसे तुम भी मुर्ख। इसमें अफ्सोस की बात ही नहीं। बाप समझते हैं वह अवस्था अभी नहीं हैं। आगे चल कर वह अवस्था होंगी।

तुम बच्चों को शिक्षा मिलती है जाने का है। यह शरीर छोड़ना है। पावन बनेंगे तो आत्मा उड़ने लगेगी। पावन बने और वापस चले जावेंगे। जो भी मनुष्य मात्र हैं सभीकी आत्माओं को पार्ट मिला हुआ है। इतनी छोटी सी बिन्दी में 84 का पार्ट हैकोई की बुधि में बैठ न सके। तुम हीर जाते हो भाईयों को ज्ञान देते हैं। बाप बच्चों को दते हैं। यह टेव पड़ जानी चाहिए। मेहनत की बात है। आत्मा समझ भाई2 के रूप में देखना है। तुम भी भूल जाते हो। यह है बड़ी ते बड़ी मेहनत। सारी प्रेक्टीस है गुप्त। अपने एक्टविटी को खुद ही समझ सकते हैं। हरेक आत्मा को अपने को चेक करना है। अपन को आत्मा समझ आत्मा को को देखना यह प्रेक्टीस करेंगे तब समझेंगे यह बात तो बिलकुल ठीक है। इतना समय हमारा वेस्ट गया। बाबा ऐसे नहीं कहते हैं बाप बन जाओ। बच्चे सभी जानते हैं। बाबा का 84 का पार्ट थोड़े ही है। वह तो हमको मिला है। हां बाबा का पार्ट सब से ऊंच है। सारा दिन अपने से बातें करना चाहिए। स्टुडन्ट की बुधि में भी सब्जेक्ट रहनी है। मुख्य बात बाप को याद करना है। नालेज भी सहज है। तुमपुरुषार्थ करते रहते हो ड्रामा के प्लैन अनुसार। आत्मा में ज्ञान धारण होता जाता है। फिर तुम बच्चों को औरों को सुनाना है। यहसभी बातें बुधि में रहती है। हम बाबा के बने हैं हम कंगाल थे। अभी बेहद के बाप ने एडाप्ट किया है। वह हमको पढ़ाई संस्था यह बनाते हैं। बाप ने समझाया है याद से ही विकर्म विनाश होंगे। बाप ने समझाया है भक्ति-मार्ग में भी तुम आशुक थे ना। कहते भी है हम पतित है हमको पावन बनाओ। बाप की याद और पढ़ाई दोनो चलनी चाहिए। कर्मकरते फिर जितना समय मिले याद कर सकते हो। ड्राईवर को अटेन्शन गाड़ी चलाने में देना पड़े। जो बैठे हुये हैंउनको तो याद में रहना चाहिए ना। याद से ही हम पवित्र बनेंगे। ऐसे2 प्रक्टीस करते रहने से फिरप्रेक्टीस हो जावेगी। तुम जानते हो हम देवी फूल बन रहे हैं। यह भी पता है कोई कैसाफूल है कोई कैसा फूल है। पढ़ाई के ऊपर भी है। समझ सकते हैं, हम फ्लाना फूल बनेंगे। प्रेक्टीस रहनी चाहिए। जानते भी हैं कोई किंग फ्लावर कोई कैसा है। पढ़ाई से समझा जाता है। बनेंगे तो कल्प पहले भाग्यिक हो। जितना जो समझेंगे उतना वह ऊंच पद पावेंगे।

आगे चल कर ईशारे हो समझते जावेंगे। तुमको जास्ती बोलना नहीं पड़ेगा। तुम्हारी योगबल से ताला खुलता जावेगा। टाईम बहुत थोड़ा है। अच्छा मीठे2 सिकील धे बच्चों प्रित रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाईट। मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते।